

॥ १ ॥

॥ २ ॥

॥ ३ ॥

॥ ४ ॥

॥ ५ ॥

॥ ६ ॥

हृदयः स रुना स धनारः य तलायः अर्जिर्बुः यति संमः सति लज्जा सा
 दयुः जल स्या युः ति उत्रा य मा लीः अर्जि उः सुर्ज विं वु दान विधः मा
 वा स दान विधः ॥ चं ॥ ७ ॥ स रुना स धनारः ॥ ॥ अं ॥ ७ ॥ स रुना
 सः उ स धनारः ॥ ॥ वृ ॥ ७ ॥ धन मानारः ॥ ॥ वृ ॥ ७ ॥ सुवाध नयिः
 क न हः पित व सः वृ द व ता यः ॥ ॥ गु ॥ ७ ॥ स रुवाध लयिः
 क युः सा दान विधः ॥ ॥ गं ॥ ७ ॥ ग रुना सः उ स धनारः मानारः

॥ ना ॥ ७ ॥ स रु हा निः राज मान धनारः यु तारः ॥ ॥ कं ॥ ७ ॥ क ल ह
 त म फा वि नंद युः कार्ज हा निः थं न लख सः खा त त यः ॥ ॥ ज्ञा ॥ ७ ॥ य
 रा यः स तिल स उ सा म द युः जल स्या युः ॥ स र्ज विं ल दान विधः मा लः अ
 का स दालि युः वृ ॥ ॥ चं ॥ १ ॥ धनः अर्जु नारः व सु नारः ॥ ॥ अं ॥
 ॥ ना जल यः द स त्याः रि षा क हः स रु र यः क विः ल ख नि षा मि र सा
 कः रु ना य युः ॥ ॥ वृ ॥ १ ॥ ति उ क ल ह ल दान विधः ॥ ॥ वृ ॥ १ ॥

ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ शु ॥ १ ॥ ॐ उमायमालिङ्गः हृदयः शुभः कलहः
उदयति दानविषमम् ॥ ॥ ग ॥ १ ॥ दसत्यागः पापमालिङ्गः धनहानिः क
हः यतनापश्युः किञ्चित् विषमः तज्जहि नः गर्जयः गृहसन्नातः यथसंयुज
मायमालम् ॥ ॥ ना ॥ १ ॥ ॐ उमाकलहः मवपाति पाकमनजनिः यतस
वसन्त्यापुजः मानहि ॥ मृतं संसमन्ना नसर्विलि ॥ ॥ क ॥ १ ॥ यतः कुति
जलः स्यापुजः कहलः सलिलज्वासापमदयिः यानलखसः खानासि वदुः

ल ॥ ॐ ॥ ८ ॥ नापनकपिः उमापिः साकसंतायः मित्रुलपतिलया उदय
विषम् ॥ ॥ च ॥ ८ ॥ ययवापिः मित्रः उलः स्यापिः नापमालिङ्गः मृत्रुलपम
पिः धनहानिः चन्द्रविबुधानविषम् ॥ ॥ ज्य ॥ ८ ॥ नापकपिः मृत्रुलपथः
सलिलसहिः अपिः यानशर्मिः कजलः स्यापिः गुदयातः दानविषम् ॥ ॥ व
॥ ८ ॥ धनः यतः सलिलससुखदयिः ॥ ॥ वृ ॥ ८ ॥ धनहानिः क
लपदयिः मृत्रुलपसुत्रुलपदयिः दगुलिसमतविषम् ॥ ॥ शु ॥

॥ ८ ॥ धनं स न श्री वृधि ॥ ॥ ६ ॥ ८ ॥ द सखागः प उठावा य मालिः धा
 खनिः मृ तुर यः स तुर पः हासा दान विषा ॥ ॥ ७ ॥ ८ ॥ विवा द इयिः कल ह
 लः य त न प इ ४ रं क दा वि तः सु खं द पिः सु य न र पः सु द व त य ज ॥ ॥ ८ ॥
 ॥ ८ ॥ स सु या हा ल र यः मृ तुर कः ना ग या ल यः ल मि पाः ल मि पा नि मि स्ति न क ल हः
 धन हानिः सि व पुः यं वा मृ त द य कः य ज ॥ ॥ ९ ॥ ८ ॥ य त न प न क पुः ध हानिः
 तिल पा उ दान विषा ॥ ॥ १० ॥ ८ ॥ धनः धर्म हानिः मि र ज ल स्या युः क ज ल स्या युः

सा दान विषा

य त न प न क पुः स दान विषा ॥ ॥ ११ ॥ ८ ॥ स सु य हा ल र यः प्र व नं ज्व बाल पि र य
 इ व ल द हः धा तुर कि नः य त स्या पिः धन हानिः गु या त दान विषा ॥ ॥ १२ ॥ ८ ॥ मि
 रः ज ल य त स्या य जः धन हानिः ल दान विषा नारा य न पुः यं मृ त द य कः सि व
 य ज ॥ ॥ १३ ॥ ८ ॥ मां न्य द पिः धन यः धर्म ज स नालः ल मि राल ॥ ॥ १४ ॥ ८ ॥
 धनः धर्म नालः मां न्य राल द पिः ॥ ॥ १५ ॥ ८ ॥ धन हानिः स रु द पिः धन व सी
 सि य रु य त ख ल स्या पिः सा दान विषा माल ॥ ॥ १६ ॥ ८ ॥ धनः धर्म हानिः स दान

॥ इह ख द पिउः घाल खनिउः यत्र वासम् तु खं ^ख द विप माल ॥ ॥ क ॥ २ ॥ धन ह
नि कृ ताल त मालिउः सलिल ज्ञाप सा म म द पिउः ॥ ॥ ज्ञा ॥ १० ॥ पादा का सिधिः
रु य उः रु स धनारु द पिउः ॥ ॥ वं ॥ १० ॥ सुखे शयिणः रु सुतारु द यः स सुना स रु य
॥ ॥ जं ॥ १० ॥ साख संता यः धन हानि शयि उत्र न गल स्मा य उः ॥ ॥ व ॥ १० ॥ स
रु ना स धन मान रु नारु द य उः ॥ ॥ व ॥ १० ॥ रुं व हानि क हल रु ल स्मा पि उः यि
त व सु दान विप माल ॥ ॥ गु ॥ १० ॥ धन हानिः म रु ख ने रु मालिउः सल दान विप

॥ ॥ ग ॥ १० ॥ धन विद्याः धर्म ना सः हा क सा दान वि ॥ ॥ ता ॥ १० ॥ इ ख द यः
ज्ञाप मालिउः ख रु दान वि ॥ ॥ क ॥ १० ॥ कल ह इ ख रु य उः काल त दान वि य ॥
॥ ॥ ज्ञा ॥ ११ ॥ मान द यः व रु द य उः रु स धन व सुतारु द य उः ॥ ॥ वं ॥ ११ ॥ मृ उ
धन रु सै मानारु ॥ ॥ जं ॥ ११ ॥ ता रु मान स रु ना स धन नारु ॥ ॥ व ॥ ११ ॥
मृ उ धन विद्या नारु रु व रु नारु ॥ ॥ व ॥ ११ ॥ धनः धर्मः य रु नारु व सुतारु
॥ ॥ गु ॥ ११ ॥ मानः धन नारु सु ना स ॥ ॥ ग ॥ ११ ॥ ता रु धन म रु ग्या न नारुः

सकुनास॥ ॥त्रा॥११॥मृजसगुवर्धुनारसकुनास॥ ॥क॥११॥लमि
धनःवस्तुनारःशुवर्धुनार॥ ॥ज्या॥१२॥त्राजलयःसकुलयःकलहलःधनहा
निःशय॥ ॥वं॥१२॥मृजलयःधनलयःसकुःउतिना॥ ॥ज्यं॥१२॥
घालःककिजयःसकुधनःमृजलय॥ ॥वृ॥१३॥सकुनासःधनवस्तुःशुवर्धु
नार॥ ॥वृ॥१३॥त्रायकयःत्राजलयःसकुलयःकलहलयितवस्तुदान
विय॥ ॥शु॥१३॥यत्रनजयलयिजःधनारःगकुनास॥ ॥ग॥१३॥

कहलःत्राजलयःमिस्त्रायःसादानविय॥ ॥त्रा॥१३॥सकुलयःत्राजलयःध
नहानिःखर्कःजुदानविय॥ ॥क॥१३॥नागलयःकपावयःनिमिस्त्रीनकलह
लःधनहानिःखजुदानविय॥ ॥कुतिनालदसानजगहसासमायत॥ ॥

किंलाथंयायमालः सकयकायमालः षष्ठिसयउरकटेदुदयाल १ गगधातुपिरुनंका
स धातस्यकः अति सालः अलः ल मल सकयाकादय अयिलु व सुक स इविडा अ इः ग
यदानवियमालः थतनंसांतिः शुलं ४॥ स सुनेरुवीति ४॥ ॥

१ गजयाः दसायका

हं नमो गी मारु कार्य ४॥ शुक्रनशायनं लागः दिन १० मा ऊन शाका लालः वि स सनः य दं अ अ
गगः माल स्याकः थनकानशायः अल दय अः क सवुं तन द मः लागि क २ ५ः अ किर्क ४॥ गज
या द व ताः व नः न मः व न न क सः माहाकालः र त य तीये अ उल जग मः ऊ दय अ नः व
१०ः १५ः १३ः ववानः व व न क नः १४ः नाग दः द किन क २ धलं पि न्य क १५
गया तः कः यः अ यं क नंगः य ता वः ऊ अ व ल १ सु व त द्या या अः व्या त त द यः क मालिया त ल
अः क ता म ना गया त य उः २ ५ कः याल १ ५ गुलिया त य व य हाल य अः शु क या म त द्या तः

काङ्कः जगमसः प्राहाकानः लिमस नः विथि सः थुत्त सक यज्ञः नागि यामलिङ्गदिनः १ थुत्त रूपाः
गुल॥ स्वस्माल वीति॥ ॥

१ ध्वं जयाः राजसर्व

१० नमाग्नीमातृकार्यं ॥ सकवानन जायत तलाग॥ विथ सल ज्ञाः क५ जलमलिङ्गताज
प्राग॥ ध्वं जयाद वतः मानधिः संहलः र्त्रवः यं वदु जयातः वियकः ग्रहः नाहः क५ ध्वं जया
ववानः वनाः ११ः १२ः १३ः १४ः १५ः नदि साः कूलिकनागदः वनयिनः क५ दः नागः
ववानथ यथा काथाः क काया दः धन इलाग धा कुरषा यत स्माकः वृषलयः जयवालरयः जि
ॐ संखयः बालशयं द्रुः प्रांन उदर्थी हालिजः सातिः वलियात १ सर्वत कायमालः वसतयः व
लियातः १ क कः १ ग्य सानसतयः नाथ ग्वनयज्ञाः यं यहावः यज्ञाः वृषजः धलिवा मालः लि

मस्मिन् यज्ञाः लज्जवती यज्ञाः प्रागिया महिददिनः ६ स म् सान सः वाताला ज नः र्थ मातः धा क्रया
कया सल न विलसाः द वया वस्तु क सयुद्धं ज ज धायाः धृ त र्गुलः स्वस्मान ल वति ४॥
१ मध्यायाः ७२ य ४॥ ॥ ॐ न मा गी मातु कार्य ४॥ न ज च कु या न रु धी र्ति यः प्राग धा रु ज्ज का स
प्रागः थान सत्रा य ज ग ल स वि दार्थ ज य जः मा दं दिदि ३ हिलि जः उ न हं न हलि जः गल स
हिलि ३ मिनि जः ह्या य जः मिखा त ज म क क नि जः का का खा य जः ख कि र्णं जः क य जः क रु य
जः ज्ज ति साल रु य जः धृ त साल ४॥ द ज या दा ख न धा य म दः ज क थ क धा ल सा क य ल ज
नि जः थु ति न ज च कु या रु ल सिः य रु ति ज रु व र्ध स मा क गु ले

१ ॐ न मा क प्राग य ग ॥ दि १ ल १ द १ मा डि कां डान ज
नि जः थु या याः द्वा र्थाः ज निः जाल नं य य जः क रु यः र्थाः
यः ज्ज ति साल रु य जः मिखा सा य जः वा द स वि सा रि
ल य न र्था यः थु पा सा नि वि धिः ज म ज पा ३ स रि न
यि ल पा ता स न ज य रि सि यि ता थि ता पा न न ग रु न
थ य खाल पा ३ रु स ग त य पा ३ रि क स त य य र्क य त

यथकाजः कागायताय यन
यथकाजः कागायताय यकाः कायकः ताय वर्क सुद्र ताः आयमालः प्रलुथः नं भारग
वल्गनाजनाय यदि दृकाः हन २ यन वकाः ददि लीनमः मालीकां प्रयाय साहाभा
दिगय पूर्वः सुस्मान रुवतिश

यसायनाः काः कसिः कायधुः पयिः काः बालमाहा
द वयाक कायग्रमानः कसखायानियः धलथुतिधु
द वयाक कायग्रमानः कसखायानियः धलथुतिधु
द वयाक कायग्रमानः कसखायानियः धलथुतिधु

ॐ निद्र निद्रा २ शुद्धानामर्ग नं आजा धयौ गद्याथ
स्याम् आलन यउ (थं २ सा सदयः दृद मता निजः अ
उथी तूरुयः वा नलन यन रवायः सानि जा फः अ
या २ पुत नंग हन यथ यः खाल या २ क स स या श्लिका
थि स का यः खिन जा दा क नाः दानाः सातः धः धुयः सादः
सा सः विधुलिः भगिया वस्तः ललाः धुतिधु यथ दाजाः का

गाय तायः यदाजः कायकः लागिया व सु हा हा या दा अ कायः मं नुः ॐ न भाल ग व ल्य ४
ना ज ना यः ॐ ना क दि घ ह स्ता यः ह न र मा त यः स्वा हा ॥ थु मं तु नः जा कि ज य न यः वि
यः व कि ना गिका लाय कः व कि शु ह न य स त या का यः ॥ वा द्मि लि सः दि गः द क्रि न सः रु अ
ना य ॥ स्व स्तान ल व ति ॥

स्व द्म श्म ना ३ स्व द ३ य त ना ना म ग ह न आ दा अ ॥ थु या
नाः क तू यः स्व यः जाल न य यः ना हा तः कृ ति श क्रि यः वा
प्र न य न स्ता यः थु या सा ति वि धिः ज्ञा म् न य ३ स्व ति
यि त थि ताः या वा नं ग ह न य थ यः खाल या २ रु स ग ति
का सः त य पं व य ता य य २ थि स का य लाः दाः रि न
जाः यि यि लि म धि थू ति स का यः धू यः नि यः कृ ग हा ध

नध्वयदाज्ञः कागप्रतायः यदाजगहनयकाः वर्तुकादुःखानसयावस्तुहाहाया
दाअकायः॥ मंक्रुं नभारगवत्यः चंद्रहासायः जात्रिहसायः त्रिगुननहनरद
स्तुसत्त्वनिःकृतयश्यदनामहेयैहनरसाहा॥ वादिलियकिं॥ (ॐ) ॥

५
(यक्रुश्विनाः विद ५ मूखमंक्रु कानामः गहनं जानिजः
थयात्रगः क्रतुयखायः जालनं प्रयजः द्याथस्मायजरा
हातक्रुतिश्चक्रियजगदमासादयजः मिखायजः
यासाति, वसियाः पीताथितायासाकापाजगहनय
थयखालपाश्रुससः पाश्रुलिकासः तयथियसकाय
मातः मासः विनजानाः काः थुः मधिः ध्वयः विवलिः मन्

कृपासि वयाक कायस्नानः येनैकाध्यासः धृत्या सः श्रुतिध्वयथदाजः कागाप्रताप
यदाशैः न्यफापकः वर्तुनकः संक्रुधुर्नभारगवत्यः वृषवधुजायः पिसावायै गन
कागायः मयं नेरुनर्गनयायोनतासनकनायवानकः मयमंशुकाः संहय २ मं
२ कृमानकः स्वाहा॥ दिगठर्क ॥ (ॐ) ॥

१ काङ्क ज दवा ज दद ज विदालनः मामगृहः जानिजः ध्या
नागः जालः सासदयः क तुयून सा म नयिजः क क
अयः विजालनः खायिः ध्यासातिः गात्रया वाकायाज
न्यदयकः खानवा श्लिका स पा ३ रु स जये तेथिस
कायः नाः दाः मधिः स तः ददः कायः ध्वयः क स्वावाः सा सति
विमूलिः युका नि यः धलः श्रुतिध्वयथदाजः कागाप्रताप

अः ग्रह लकायकः वर्कः कर्मनुर् नमः रग व ल्य सकुनिगहाय पात विहाल वन कना
हन २ ददिगु नमः स्वाहा ॥ दिगु र्त्न वस्त्रा मानर वति ॥ ॥

१ क्रसक ॥ क्रसमा ॥ क्रसद ॥ शुक्र ज्ञानाग्रह न
आनिजः युया नागः क्रमनिजः नसा मनयुः सल नय
सन करवायेजः क्रद मदयिजः सातिजा फज पा ३
गालया वाकायाजः ग्रह नृपथ यज्ञा नयो ३ रु से
जा पा श्लिका सथि सकायः सो नजाः थलिः नाः दाः म्वा

तहा मत्र मयि विषलि नियो ग्वा न वं न सिद्धाय थिति धू यथ दाशः काग प्रता यः यदा अ
ग्रह ल पः काय कः वर्क न कं मं नः न मारुग वर्य वृखरु क्षा जाय या ग वि यलित ह स यना
न न दि य नः पि सा व न य कृत्वा ना त ग स न क ना ति ति न कं ६७ लिलि र व ति न त्या मि मं ३२
वा न कं मा हा ३॥ दि ग द कि न ह स न ल वं ति ३॥ • ॥ पि त कं ६७ कृ ३॥ x

र च्या द्वा ८ च्या रा ८ च्या द ८ जं मू काना म ग्र ह नं जानि अ
थु या भा गः कृ ती २ वि यू भि र्वा स्या यू थु या ति (आ म्
जवा ३४ सि यि ता थि ता या वा न ग्र ह ल प थ य क ३ का ग प्र
ता य षाल पा ६ क स गः लि का स थि यो स का य ना दा ध
लि वा कृ सि सा धू प नि य वा ल न वं न न ल स या स सि ह्ना
य थ ति धू य थ नः का ग प्र ता य य दा अ ग्र ह ल प का य क

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय गणेशाय प्रणमः नमो भगवते वासुदेवाय समीक्षितं मूर्तिं शक्राकं स्वा
हा ॥ दिग्युक्तेः स्वस्मिन् नरवर्ति ॥

रगद्वेग्या रेगद रेजलं जानामग्रह नं जानिषाः वा
गलनयय अहि कुअयि अयां हुना गथ्या सातिया त
नं कलथ्या अया नया ५ रुस सः लिका सथियि सक
यनाः काः सि साधलि धूप गगलि धलथति धूपथ का
रागा प्रता यय का अग्रह लय रायक वर्कता यज मं
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कविदाय नकनायः

आकाशगडजं मृगय २ मद्य २ रुन २ र्श २ कृताय साहा ॥ दिगदक्षिणसुस्मानरु वीति ४ ॥

रजिद्र १० जिना १० जिद १० प्रवतिना मग्रहन आनि ४ ध्रुवा
भागः स्वासः कासलालहायुजमिरामकं नि ४ ध्रुवा साति
। षसिपिताथितायासानग्रहलवथयः बालया ८ रुसस
लिकासः थियि ४ यखिलजाः नाः काः ध्रुवः तना ४ ध्रुवः
विष्णुलिः सादः ललाः ध्रुवति यथकाग्रहलवः कायक
वर्द्धतायुर्मकः ४ नमालगवतनाजनायः वृषमृगाः

है फ ड ह न २ व क्र न २ ह २ क मा मा य स्वा स ॥ दि ग व र्व स्व स न ल व ति ॥ ॥

१ जि म क ड ॥ जि म क ड ॥ जि म क ड ॥ य लि क काना
म ग रु न अ नि षा थ या भा ग अ ल न प र्मा जि वा थ स व था
ना क स न खा य ॥ इ ड क य न सा म न य ज ना क य थ या म
ऊ क क त थ या सा ति जि म ज वा ३ जान क न थ स वा
ल वा ३ क स स लि क स ३ थि य स का य क ग प्र त य हा
द क त य व न त न थ न वा ल अ न थ न थि स का य म ग ना

तैः तैयथदाजः कागा प्रतययदाजः गृहत्रय कायकः वर्कः स्याद् मंक्रुः नमार
 सर्वगृहसौतिकनायः मंवरकुमायाय स्वाहाहादिग यर्ववानगृहया यजायाका
 मंवरजायाय मालम मसिमानः सप्रवदयकं हत्तमं न यजाया यमनशुः थत

॥ ४॥ ॥

आ. पु. म. १३
 २४४
 ANCHIVES

विहसमुद्रकपनिहसमवमष विनीनूतनाक निगवाद विवादितां १॥
 जासमतिनादभातनादलनवरुनशीनजानाषूनषनंरुना ४॥ १॥
 नेजहनामजिनाधकषाधवकककथनिहं धिधषा धिनमिजदनिक्
 शाडानकना अत्रमिसमाधकसकनधमपनेडलिकप्रहासमयज्ञामकपा
 गनेमयजयंति कांरुमरुविडाकं मुनिगानक विरूपेन कायकं मरीयी कं
 हत्तं पाधसि अहगवन् मय प्रजनयमुक्त डाकं रुख ४॥ ४॥ नि अरुनदि

॥ ४॥

धिधषा धिनमिजदनिक्
 शाडानकना अत्रमिसमाधकसकनधमपनेडलिकप्रहासमयज्ञामकपा
 गनेमयजयंति कांरुमरुविडाकं मुनिगानक विरूपेन कायकं मरीयी कं
 हत्तं पाधसि अहगवन् मय प्रजनयमुक्त डाकं रुख ४॥ ४॥ नि अरुनदि

पतनं हृत् शयनं कर्मसुखं न जातिः ॥ ३ ॥ द्वितीयः
गो ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
विधिः ॥ सुतावमधिकः ॥ इमान् लक्षणम् ॥
सहस्रयुक्तं लक्ष्यं काष्णं किं मद् ॥ अर्द्धेन दयुः ॥
॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
अनिमनांतं यद्विमुक्ता ॥ प्रवाहं भातिः ॥ यत्प्रवाहं ॥ यत्प्रवाहं

काऊनासत्यदधनहाशयः थजकृतालताजप्रदजनमालिजाः विद्यतिशयुज
 यवननकिजः अगिशयुजः ॥ थतिवहस्रतिमलिनः फलः ॥ सातिद्यगुलिय
 ॥ १ ॥ २ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ ॥ नकादिः यवः तुनाष्टनजतिन
 नकादराष्टसदवः गुकृत् ॥ १२ ॥ धनकावननननाल सामानदानविविधसमयत्वगान ॥
 नाल गुकृत् ॥ वधुजनजलगमालः थतिगुकृत् ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

तनर्कशागविधानुविधिनुकृत् ॥ ॥ कलहशयः वसुधनहानिः वधिहानिशयः मवनंदविवि
 संयववत्रासशयः मिरास्रायः थतिगुकृत् ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

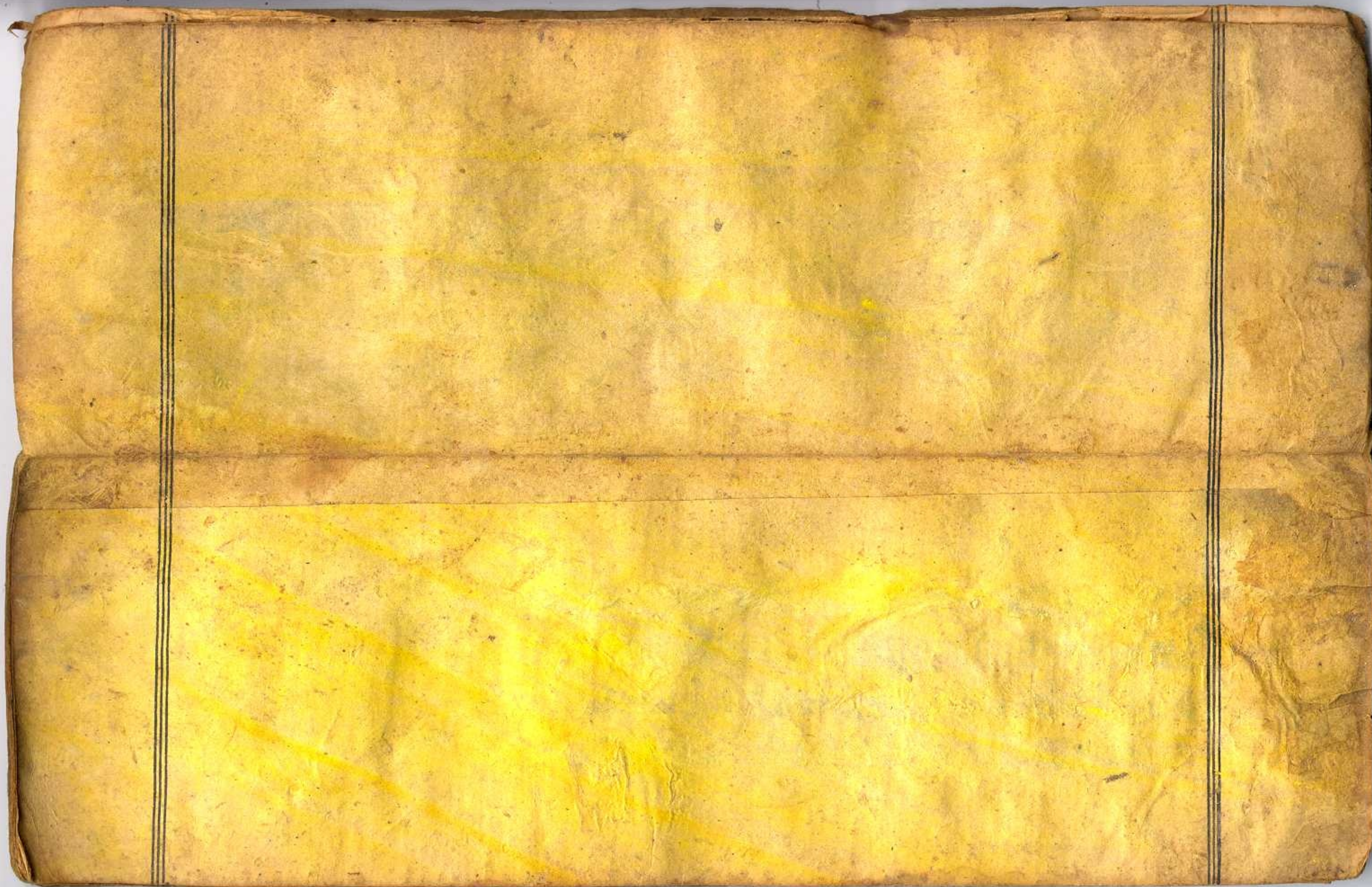
संकुर्यात् निसां साजनवंधुविजागदं सर्वं कुर्यात् ॥ कुटुंबवधननासमहादखशयः लिमस
 नल्लयजाः धृतिः सनिचनमरुफल ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ कादगादमं ॥
 तियषष्ट्याः ॥ १८ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ कादगादमं ॥
 स्मत्तनिविधिः कुर्यात् मथधनयविधिः ॥ ॥ धननानालदयः रमिनालदयः वसुनालदयः ॥
 नविधिनानावसुनालदयः ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ १० ॥
 ॥ १२ ॥ सकादि ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ १० ॥

प्राग्नननियविधिः साजर्द्धनासगमनं प्राग्ननकुर्यात् ॥ ॥ सत्रनविधियायधनरुयजय
 वासजत्रमृत्तुखं धृतिः साहसुलिङ्गकुर्यात् ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ १० ॥
 नानां मकदसाः विजयार्थं सासुनिर्नानुत्यगुरुवसुधनकावनः ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ १० ॥
 वान्धवसंयुजागम ॥ ॥ वसुनालदयः ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ १० ॥
 प्रीतिशयजधृतिः कुरुलिङ्गकुर्यात् ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ १० ॥
 जम्भदिनजयं ॥ ॥ ११ ॥ १० ॥ ३ ॥ ७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ १० ॥

प्रिसंतायमप्राकष्टं नष्टमतिवमाननानिलः यंक्योत् ॥ ॥ प्रागिरुयुजान्नकयुजः
सकृत्लिदं विविधैः अत्रासि रयुजान्नष्टमतिरुयुजः मृत्पादयुजः युतिकं तु मलिङ्गक
संति यायल्लयनवयुजः चित्तरयक युजा ॥ ॥ इति बालदसामासमायक ॥ ॥

उत्तमोलोकनाथाय ॥ ॥ आपसि चरन्तमस्कारं समस्तलोकयोगं अत्रैव प्रोक्तं विव ॥ ६९
लपोल गद्योत्तमधालं माधुर्यामाशिरुहं पाचकमाधु मनीषं ध्यात्वा जलेस्वायं यास्तुते
अतोम्यभायमानजयाधुचोत्तमो पासमस्तथाव

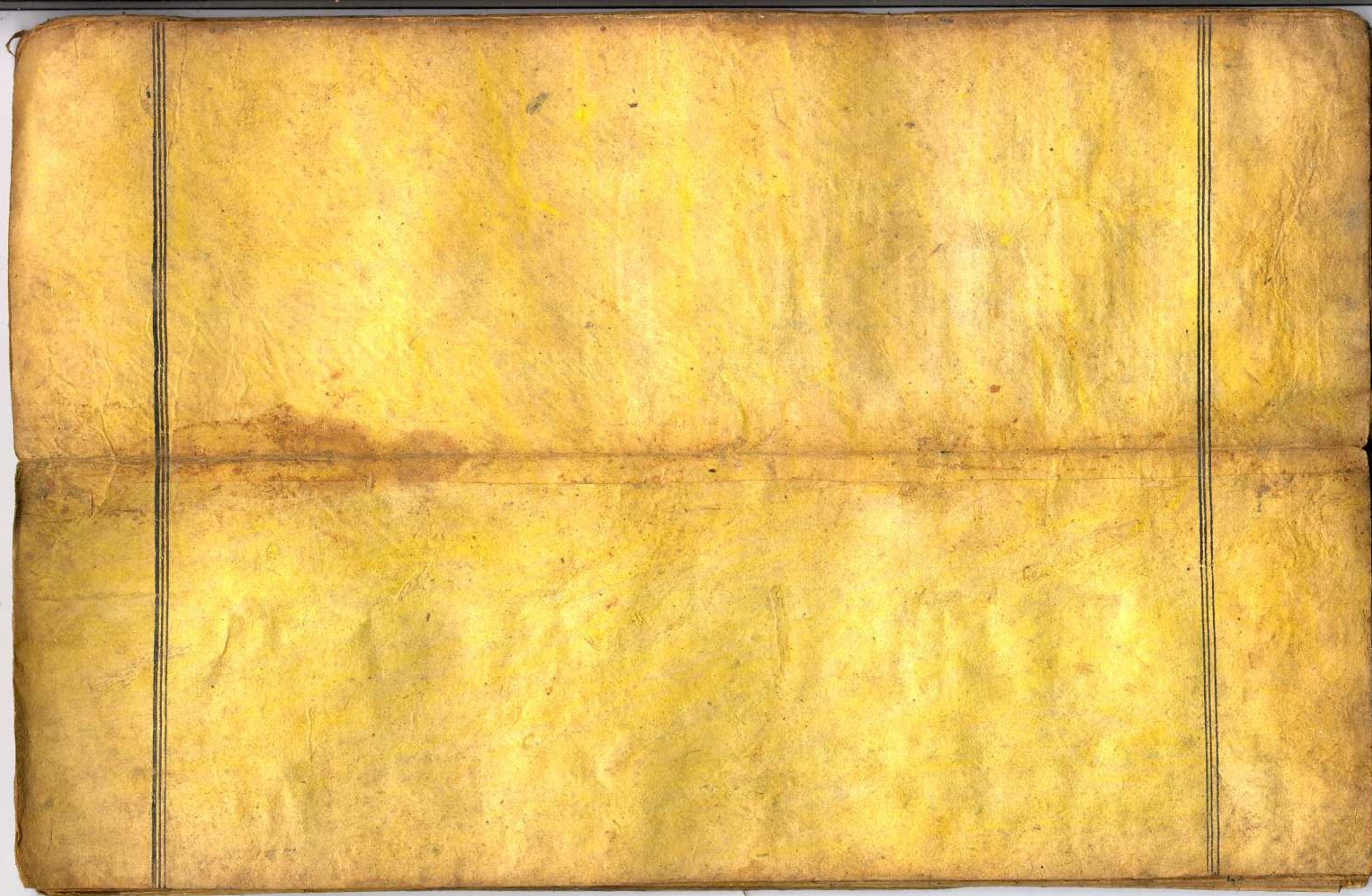
उत्पन्नत्वात्॥ ॐ अ० ह० ॥ मधुना धियश्नात् ॥ ॐ ह० ह० ह० ह० ॥ अ० ह० स्वस्वाहा ॥ पाण्डुधन ॥ अ० न० पि
वाधुयतां वावयत् ॥ ॐ अ० ह० मधुना धियश्नात् ॥ त्रिका ॥ अ० प० न० ग० न० मा० का० न० ध० मा० म० कि० कृ० वृ० दि० ग०
न० व० रु० मा० रु० का० न० ध० य० कृ० वृ० दि० ग० न० व० रु० मा० रु० त० या० स० पु० ट० या० ग० न० म० हा० च० रा० म० द० वि० रा० ग० रा० व० य० त० ॥ पु
न० य० पि० ॥ ॐ ह० ह० ह० ह० ॥ अ० ह० स्वस्वाहा ॥ ॐ सर्व० रु० का० मि० नी० स० व० रु० ध० ध० नी० गु० व० डी० नि० का० ध्य०
जी० सर्व० द० व० य० पि० नी० ध० य० र० ॥ रु० ह० का० न० रु० न० व० र्धू० हा० का० न० ग० ध० ना० ध० ना० ॥ ह्रीं ॥ का० न० वि० र्धू० ना० च
अ० मृ० ता० का० न० च० स० च० स० व० य० त० ॥ ॐ अ० मृ० त० अ० मृ० त० प्र० व० ध० य० त० ॥ पू० गि० म० न० ह० ध० ना० ॥ ॐ व० ज० र० म० रु० स०
स० सर्व० त० या० ग० ता० धि० ति० र्ना० स्वा० हा० ॥ ॐ अ० ह० ॥ त्रिका० या० धि० र्ना० ॥ ॐ स्था० न० म० न० रु० ॥



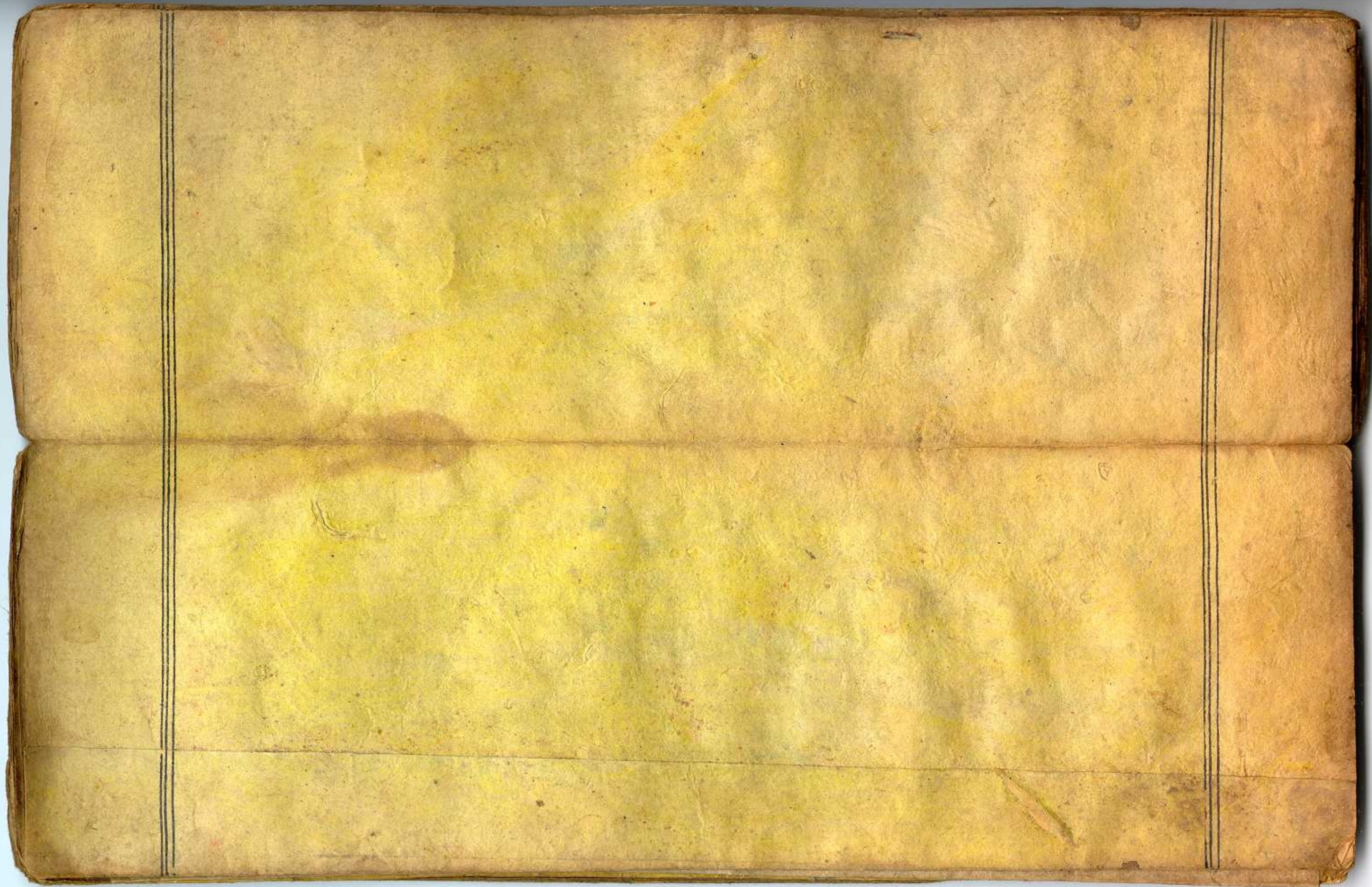


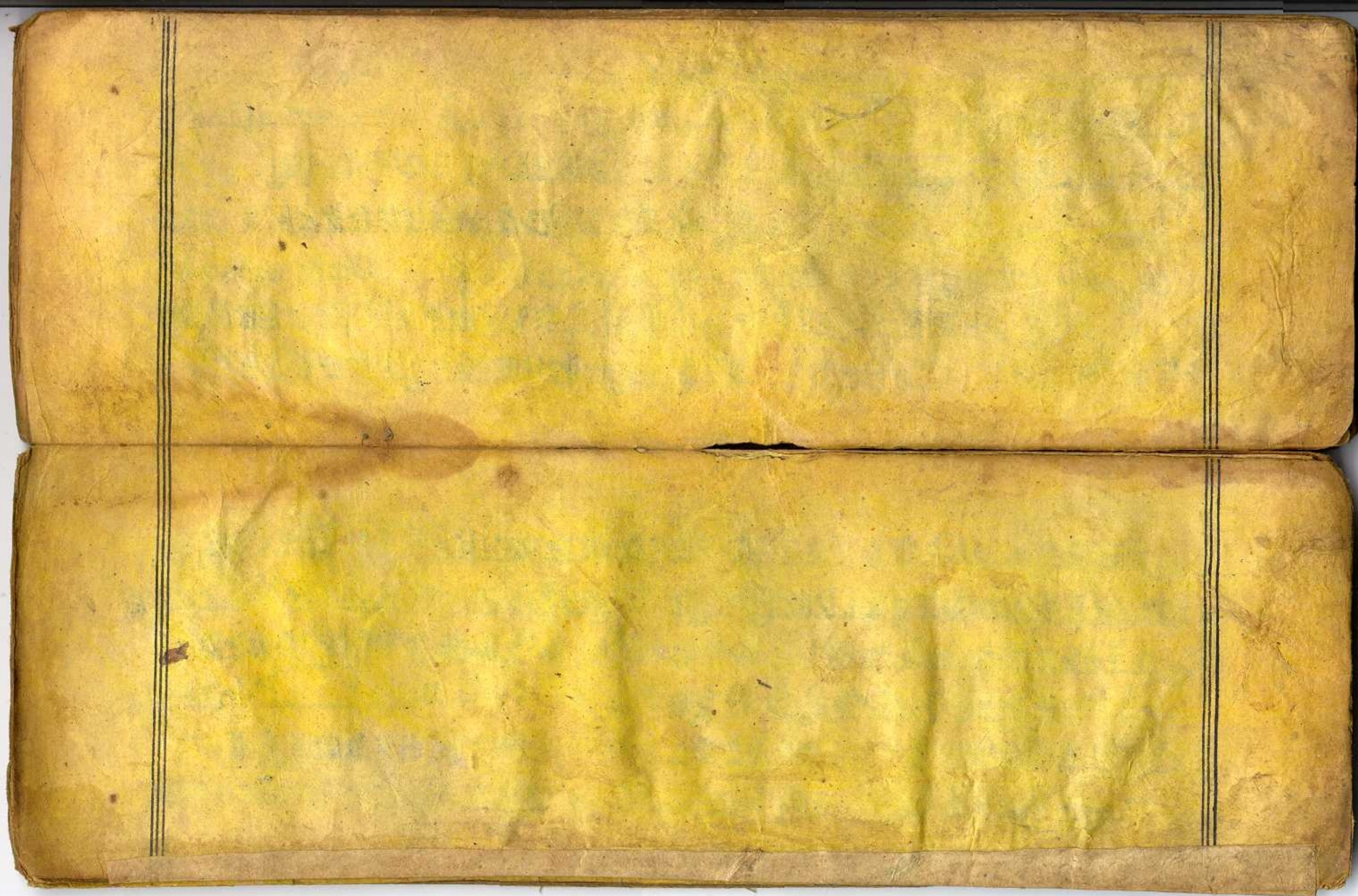


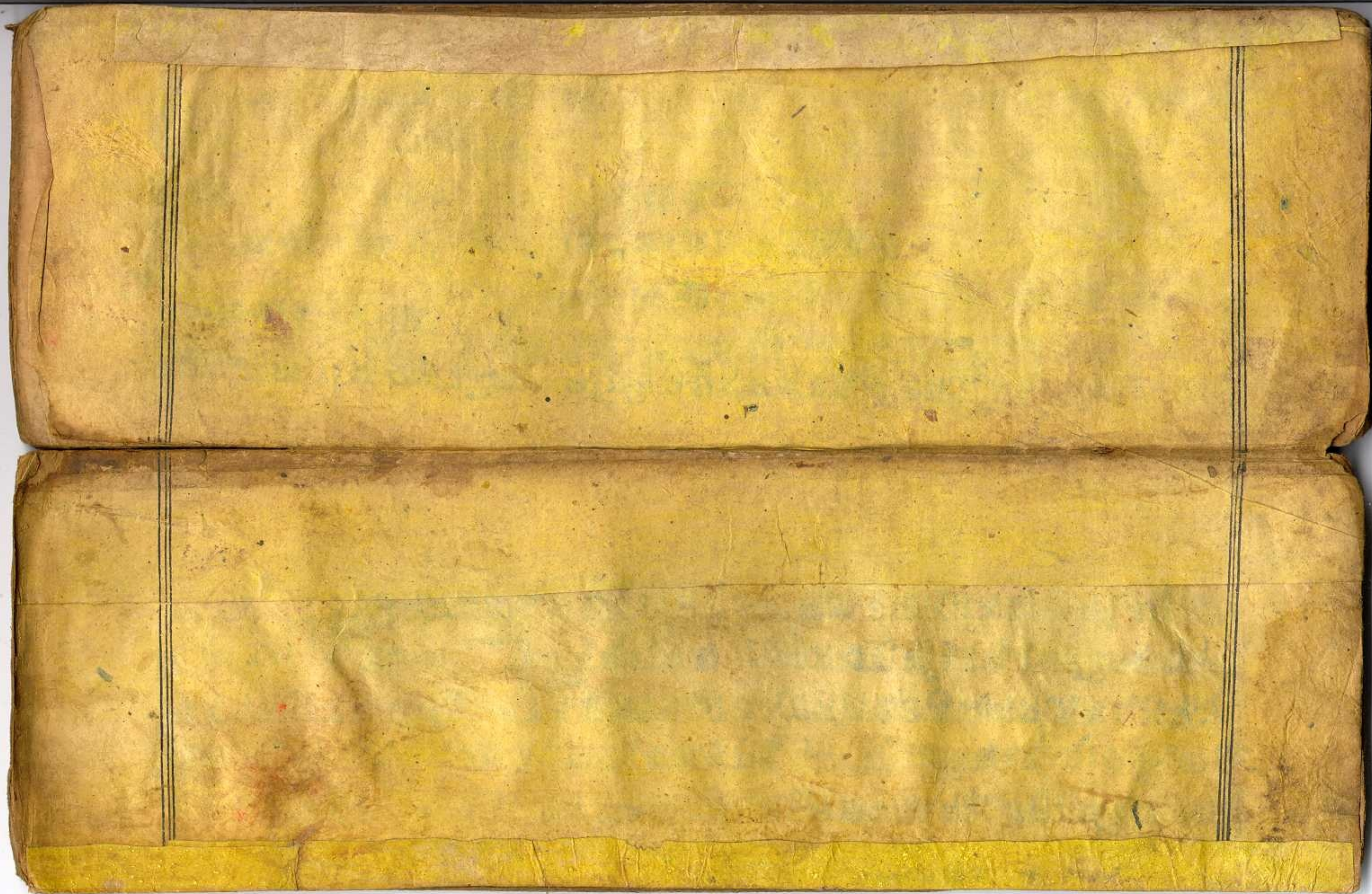


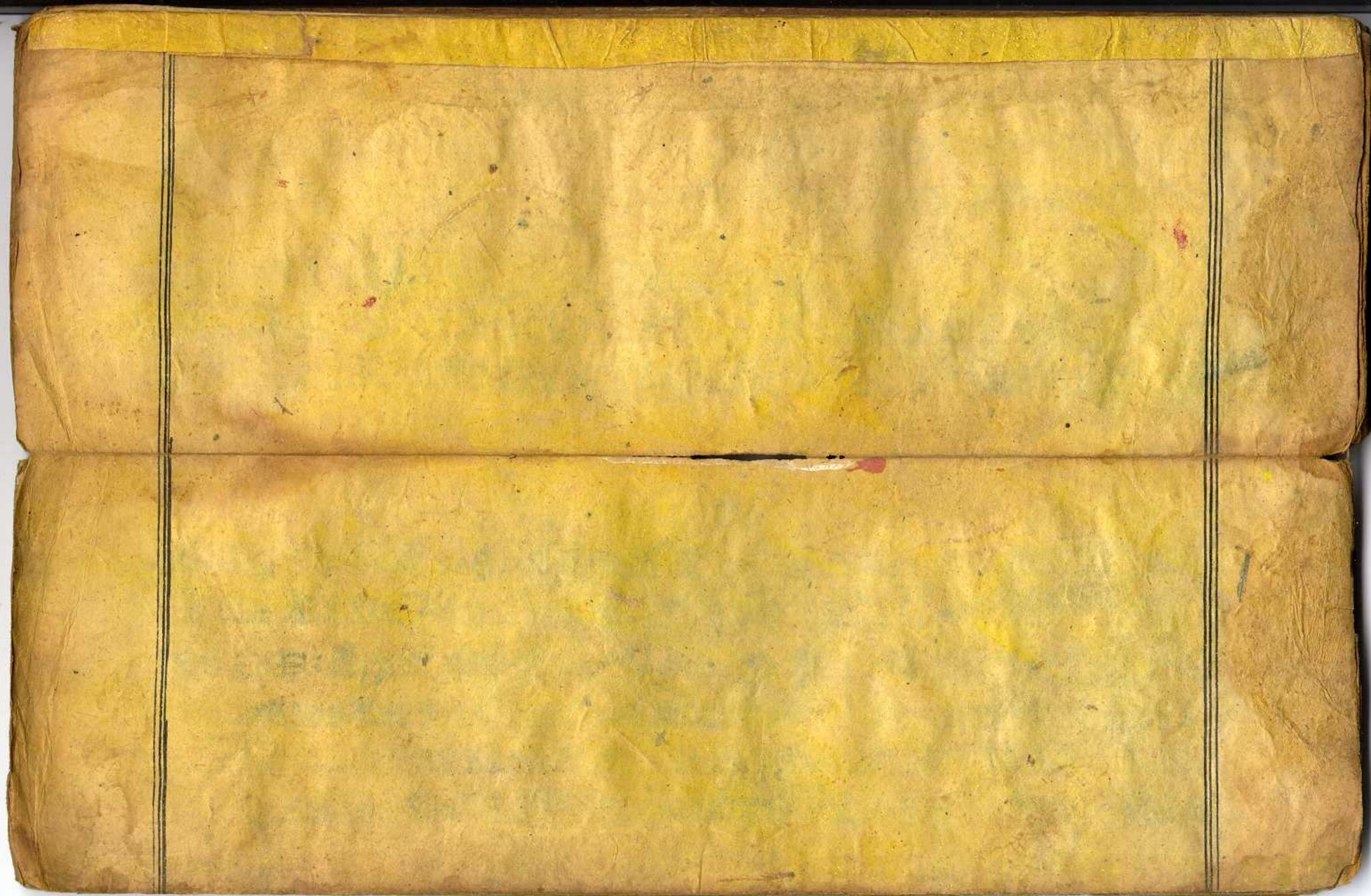


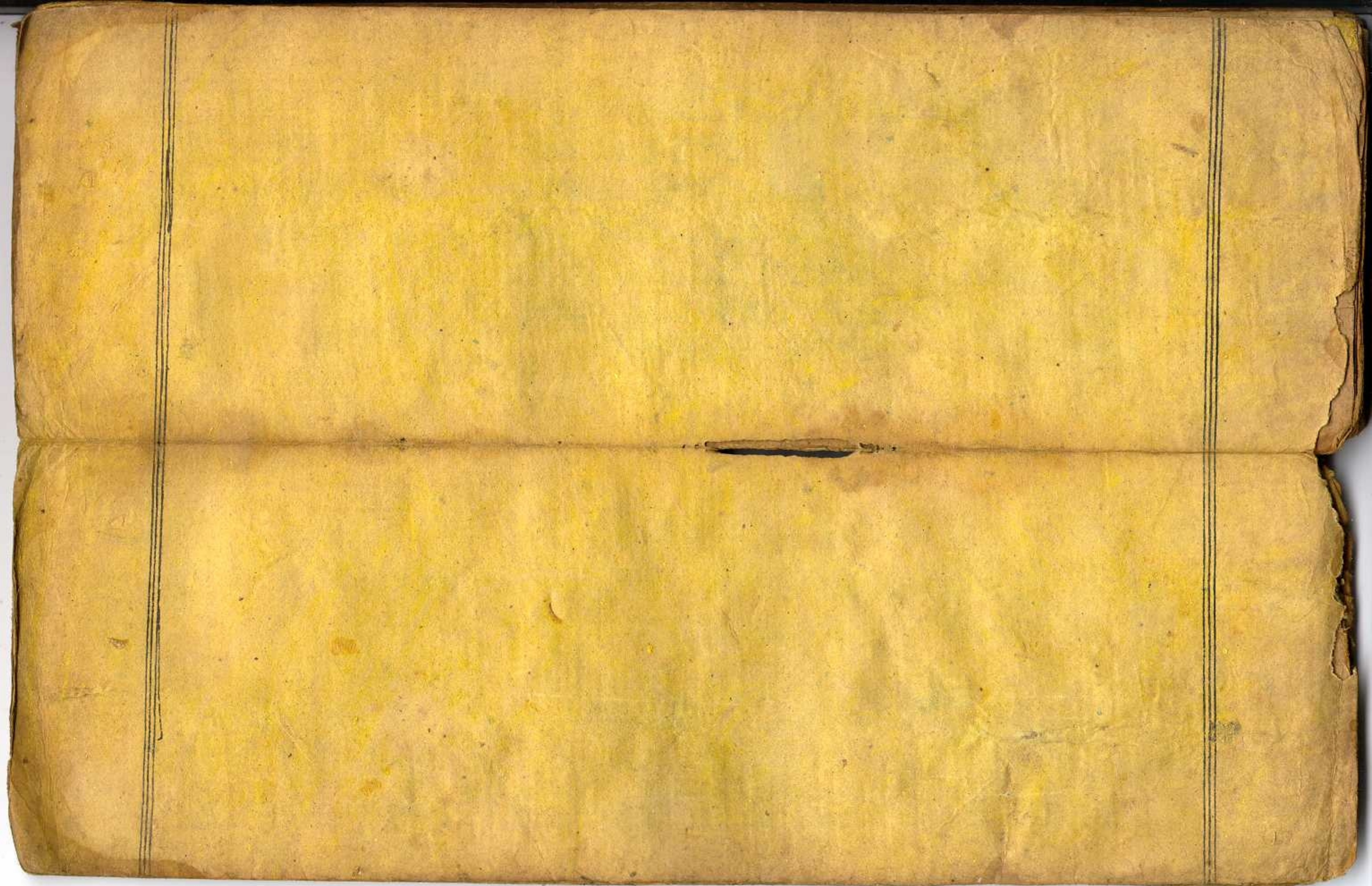


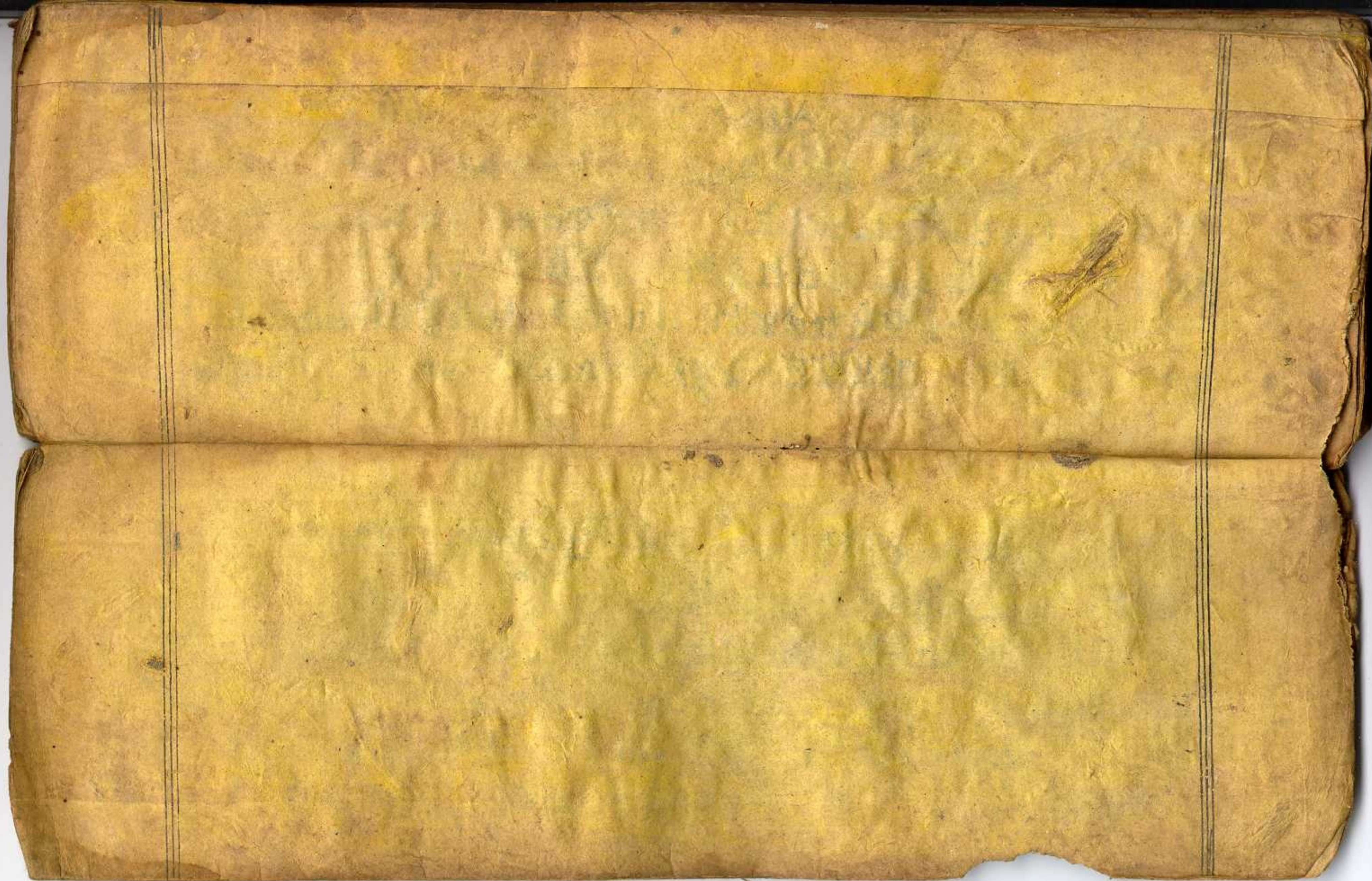


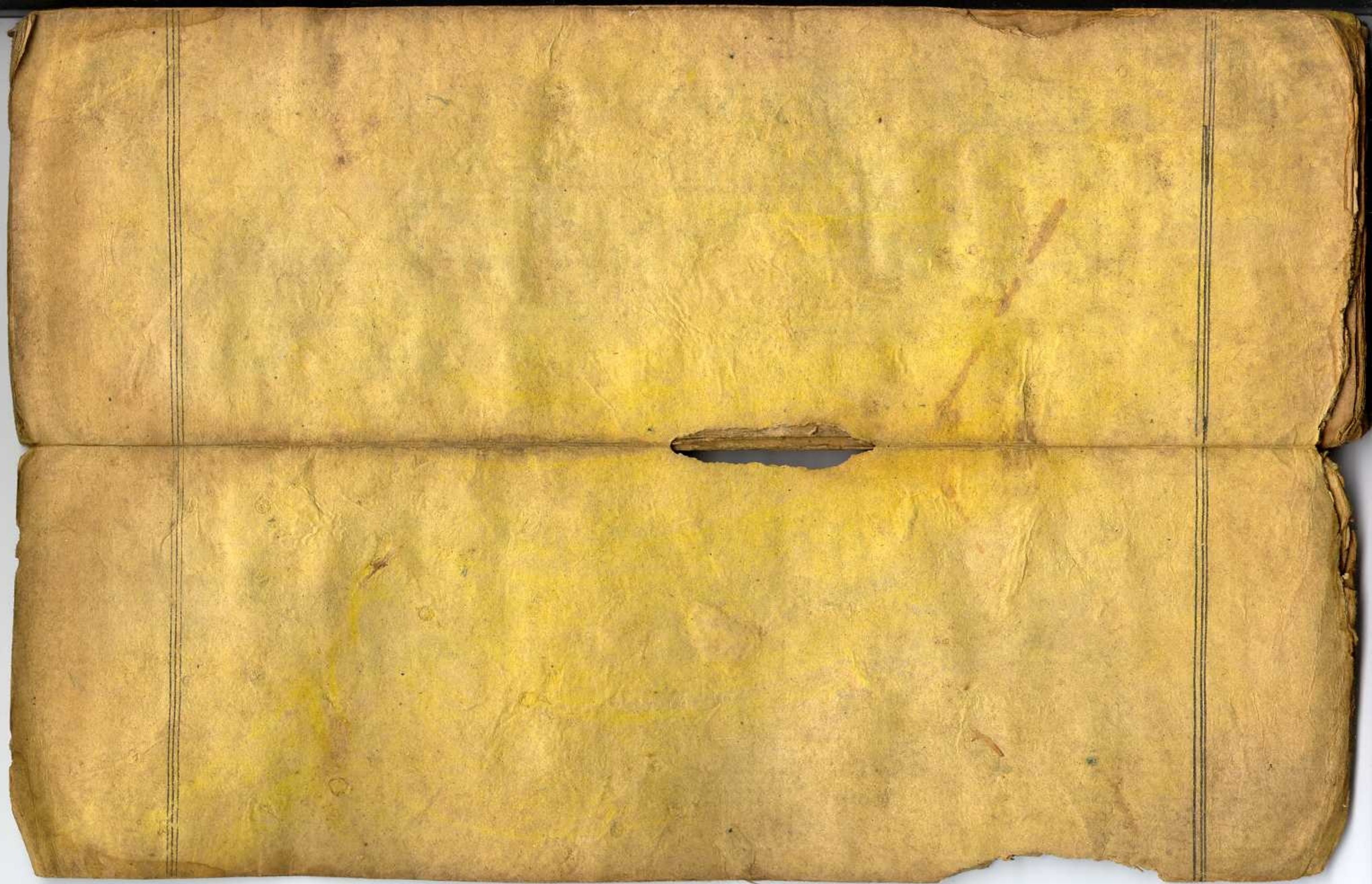


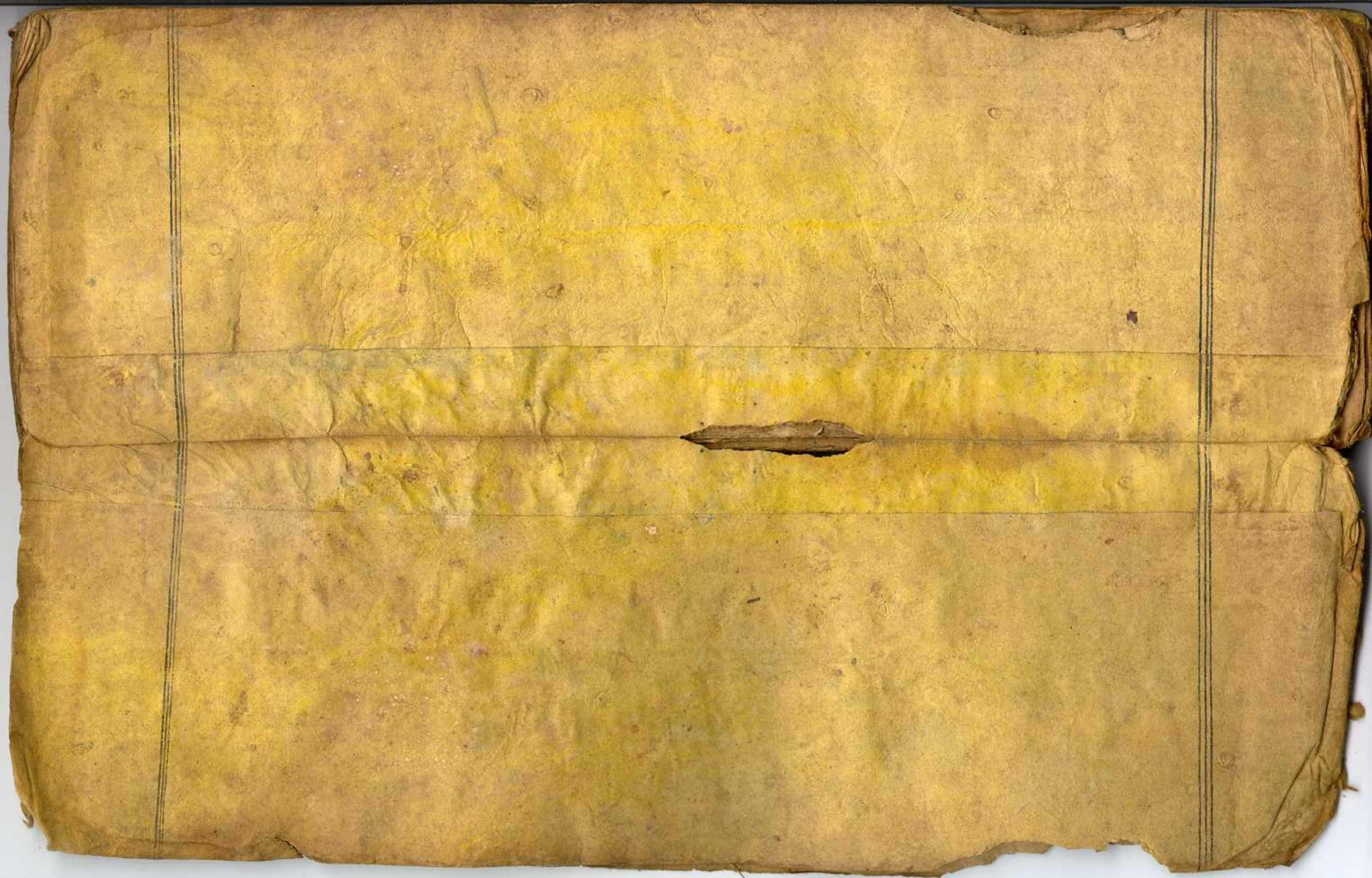


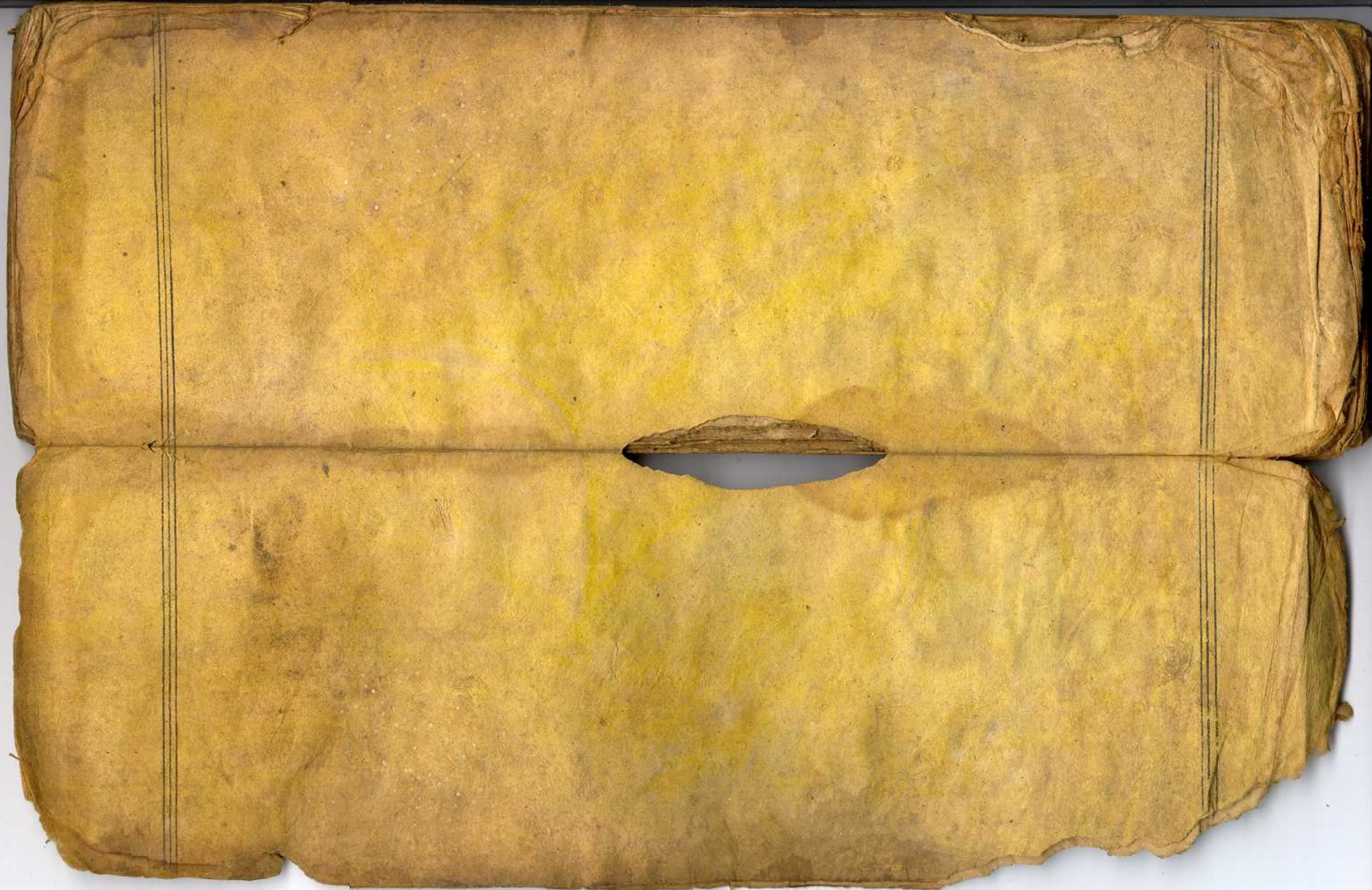












卷之

四